SA-05

December - Examination 2016

B.A. Pt. III Examination

नाटक तथा व्याकरण

Paper - SA-05

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 100**

Note: The question paper is divided into three sections A, B and C. Write answers as per the given instructions.

निर्देश : यह प्रश्न–पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों का उत्तर दीजिए।

Section - A $10 \times 2 = 20$

(Very Short Answer Questions)

Note: Answer **all** questions. As per the nature of the question delimit your answer in one word, one sentence or maximum upto 30 words. Each question carries 2 marks.

खण्ड – 'अ'

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1) (i) 'अभिज्ञानशाकुन्तलम्' नाटक के विदूषक का नाम बताइये।

(ii) महर्षि कण्व का आश्रम किस नदी के किनारे था?

(iii) महर्षि कण्व किस प्रयोजन से एवं किस स्थान पर गए हुए थे?

(iv) हस्तिनापुर से कण्व शिष्यों के लौट जाने पर क्या आश्चर्यजनक घटना घटित हुई?

(v) काण्येषु नाटकं रम्यं ..... पंक्ति पूरी कीजिये।

(vi) मातलि देवराज इन्द्र का क्या संदेश लेकर राजा दुष्यन्त के पास आए थे?

(vii) 'कारकः', 'शिक्षित', में प्रकृति व प्रत्यय बताइये।

(viii) 'जनता', 'सौन्दर्य' मैं प्रत्यय बताइये।

(ix) 'भू' धातु लङ् लकार मध्यम पुरूष के रूप लिखिए।

(x) 'वर्तमाने लट्' सूत्र का आशय स्पष्ट कीजिये।

Section - B $4 \times 10 = 40$

(Short Answer Questions)

Note: Answer **any four** questions. Each answer should not exceed 200 words. Each question carries 10 marks.

(खण्ड – ब)

(लघु उत्तर वाले प्रश्न)

निर्देश : किन्ही **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 200 शब्दों में परिसीमीत कीजिये। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

2) अधोलिखित श्लोक की हिन्दी में सप्रसङ्ग व्याख्या करें।

पातुं न प्रथमं व्यवस्यति जलं युष्मास्वपीतेषु या।
नादत्ते प्रियमण्डनापि भवतां स्नेहेन या पल्लवम्।।
आद्ये वः कुसुमप्रसूतिसमये यस्याः भवत्युत्सवः।
सेयं याति शकुन्तला पति गृहं सर्वैरनुज्ञायताम्।।

3) अधोलिखित श्लोक की हिन्दी में सप्रसङ्ग व्याख्या करें।

चित्रे निवेश्य परिकल्पित – सत्त्वयोगा
रूपोच्चयेन मनसा विधिना कृता नु।
स्त्रीरत्न–सृष्टिरपरा प्रतिभाति सा मे।
धातुर्विभुत्वमनुचिंत्य वपुश्च तस्याः।।

4) अधोलिखित श्लोक का संस्कृत में अनुवाद कीजिए।

अनुमतगमना शकुन्तला तरूभिरियं वनवासबन्धुमिः।
परभृतविरूतं कलं यथा प्रतिवन्चनीकृतमेभिरीदृशम्।।

5) अधोलिखित श्लोक की संस्कृत में व्याख्या कीजिए।

अर्थो हि कन्या परकीय एव तामद्य सम्प्रेष्य परिगृहीतुः।
जातो ममायं विशदः प्रकामं प्रत्यर्पितन्यास इवान्तरात्मा।।

6) किसी एक सूक्ति का आशय स्पष्ट कीजिये।

(i) स्निग्धजनसंविभक्तं हि संविभक्तं हि दुःखं सह्यवेदनं भवति।
(ii) कष्टं खल्वनपत्यता।

7) ''उपमा कालिदासस्य'' पंक्ति की सोदाहरण व्याख्या कीजिए।

8) शाकुन्तलं के चतुर्थ अंक के महत्त्व पर प्रकाश डालिए।

9) निम्नलिखित में से किन्हीं दो सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या करे।

(i) तव्यत्तव्यानीयर
(ii) ह्रस्वस्व पिति कृति तुक्
(iii) तिङ् शित् सार्वधातुकम्
(iv) ईद्यति

Section - C

$2 \times 20 = 40$

(Long Answer Questions)

Note: Answer **any two** questions. You have to delimit your each answer maximum up to 500 words. Each question carries 20 marks.

(खण्ड – स)

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। अपने उत्तर को अधिकतम 500 शब्दों में परिसीमित करना है। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

10) निम्नलिखित में से किन्हीं चार पदों को सूत्रोल्लेख पूर्वक सिद्धि कीजिये।
भवतः, भवेयम्, अभवम्, भविष्यन्ति।

11) 'अर्थान्तरविन्यासे तु कालिदासो विशिष्यते' सूक्ति की पठित अंश के आधार पर उदाहरण सहित व्याख्या करें।

12) 'तत्र श्लोक चतुष्टयम्' पंक्ति में वर्णित चतुर्थ अंक के चारों श्लोकों का वैशिष्ट्य उदाहरण सहित बताइये।

13) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पदों को सूत्रोल्लेख पूर्वक सिद्ध करें।
वासुदेवः, दाशरथि, तदीयः मासिकम्।